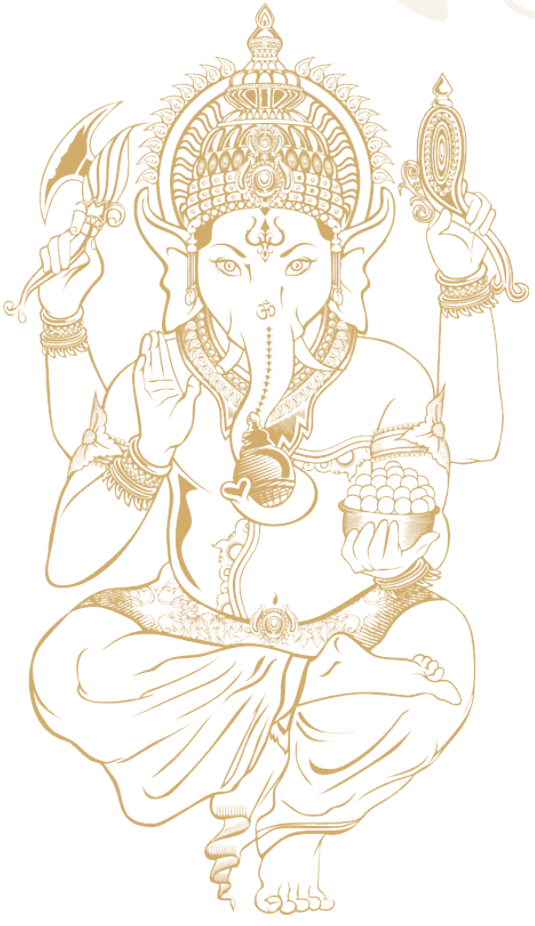

Rajesh kumar

30 Sep 1971

01:30 AM

Jandiala

Model: web-freekundliweb

Order No: 120913802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/09/1971**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	47:50:26 घटी
स्थान	**Jandiala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:36:00 उत्तर
रेखांश	75:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:00:12 घंटे
वेलान्तर	00:09:24 घंटे
साम्पातिक काल	01:31:53 घंटे
सूर्योदय	06:21:49 घंटे
सूर्यास्त	18:18:28 घंटे
दिनमान	11:56:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	12:33:04 कन्या
लग्न के अंश	09:45:09 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:45:09	301:54:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	12:33:04	00:58:56	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			मक	08:26:40	13:41:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	21:05:09	00:15:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	कन्या	05:31:29	01:49:18	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	09:15:27	00:09:59	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	21:26:54	01:14:42	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		वृष	12:57:29	00:01:10	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु			मक	19:42:37	00:00:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
केतु			कर्क	19:42:37	00:00:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	19:58:50	00:03:46	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
नेप			वृश्चि	07:27:03	00:01:28	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
प्लूटो			कन्या	06:19:54	00:02:15	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मेष	01:20:14	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:57

लग्न-चलित

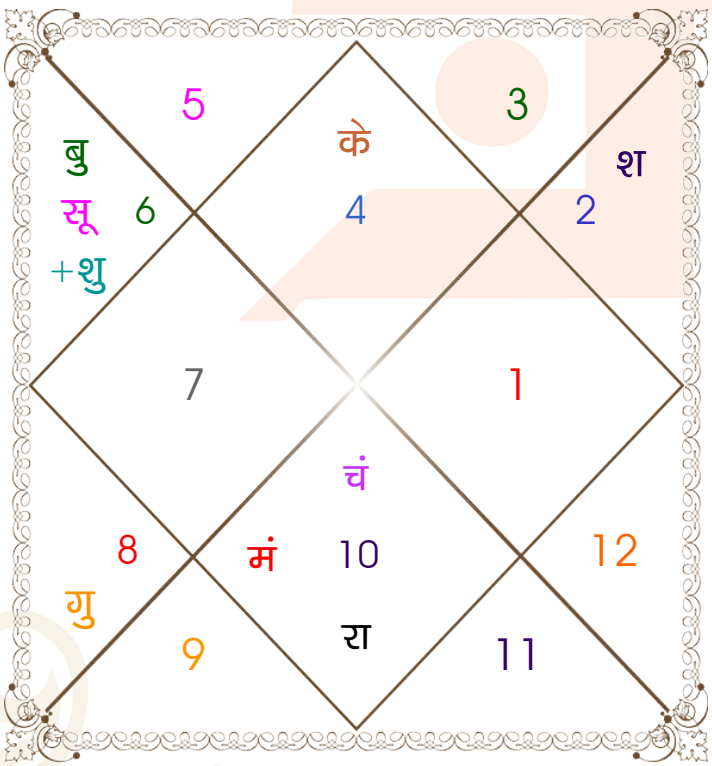

चन्द्र कुंडली

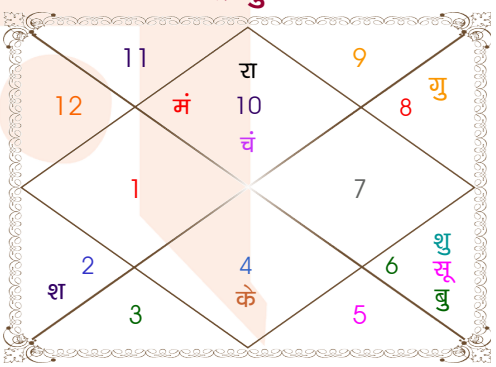

नवमांश कुंडली

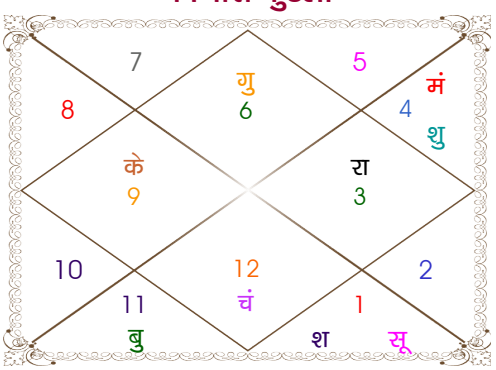

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 8 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/09/1971		11/06/1972		12/06/1982		11/06/1989		12/06/2007	
11/06/1972		12/06/1982		11/06/1989		12/06/2007		12/06/2023	
	00/00/0000	चंद्र	12/04/1973	मंगल	08/11/1982	राहु	23/02/1992	गुरु	30/07/2009
	00/00/0000	मंगल	11/11/1973	राहु	26/11/1983	गुरु	18/07/1994	शनि	10/02/2012
	00/00/0000	राहु	13/05/1975	गुरु	01/11/1984	शनि	24/05/1997	बुध	18/05/2014
	00/00/0000	गुरु	11/09/1976	शनि	11/12/1985	बुध	12/12/1999	केतु	24/04/2015
	00/00/0000	शनि	12/04/1978	बुध	08/12/1986	केतु	29/12/2000	शुक्र	23/12/2017
	00/00/0000	बुध	11/09/1979	केतु	06/05/1987	शुक्र	30/12/2003	सूर्य	11/10/2018
	00/00/0000	केतु	11/04/1980	शुक्र	06/07/1988	सूर्य	23/11/2004	चंद्र	10/02/2020
	30/09/1971	शुक्र	11/12/1981	सूर्य	10/11/1988	चंद्र	24/05/2006	मंगल	16/01/2021
शुक्र	11/06/1972	सूर्य	12/06/1982	चंद्र	11/06/1989	मंगल	12/06/2007	राहु	12/06/2023

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/06/2023		12/06/2042		12/06/2059		12/06/2066		12/06/2086	
12/06/2042		12/06/2059		12/06/2066		12/06/2086		30/09/2091	
शनि	15/06/2026	बुध	07/11/2044	केतु	08/11/2059	शुक्र	11/10/2069	सूर्य	29/09/2086
बुध	22/02/2029	केतु	05/11/2045	शुक्र	07/01/2061	सूर्य	11/10/2070	चंद्र	31/03/2087
केतु	03/04/2030	शुक्र	04/09/2048	सूर्य	15/05/2061	चंद्र	11/06/2072	मंगल	06/08/2087
शुक्र	02/06/2033	सूर्य	12/07/2049	चंद्र	14/12/2061	मंगल	11/08/2073	राहु	29/06/2088
सूर्य	15/05/2034	चंद्र	11/12/2050	मंगल	12/05/2062	राहु	11/08/2076	गुरु	18/04/2089
चंद्र	15/12/2035	मंगल	09/12/2051	राहु	31/05/2063	गुरु	12/04/2079	शनि	31/03/2090
मंगल	22/01/2037	राहु	27/06/2054	गुरु	06/05/2064	शनि	12/06/2082	बुध	04/02/2091
राहु	29/11/2039	गुरु	02/10/2056	शनि	15/06/2065	बुध	12/04/2085	केतु	12/06/2091
गुरु	12/06/2042	शनि	12/06/2059	बुध	12/06/2066	केतु	12/06/2086	शुक्र	30/09/2091

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 8 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।